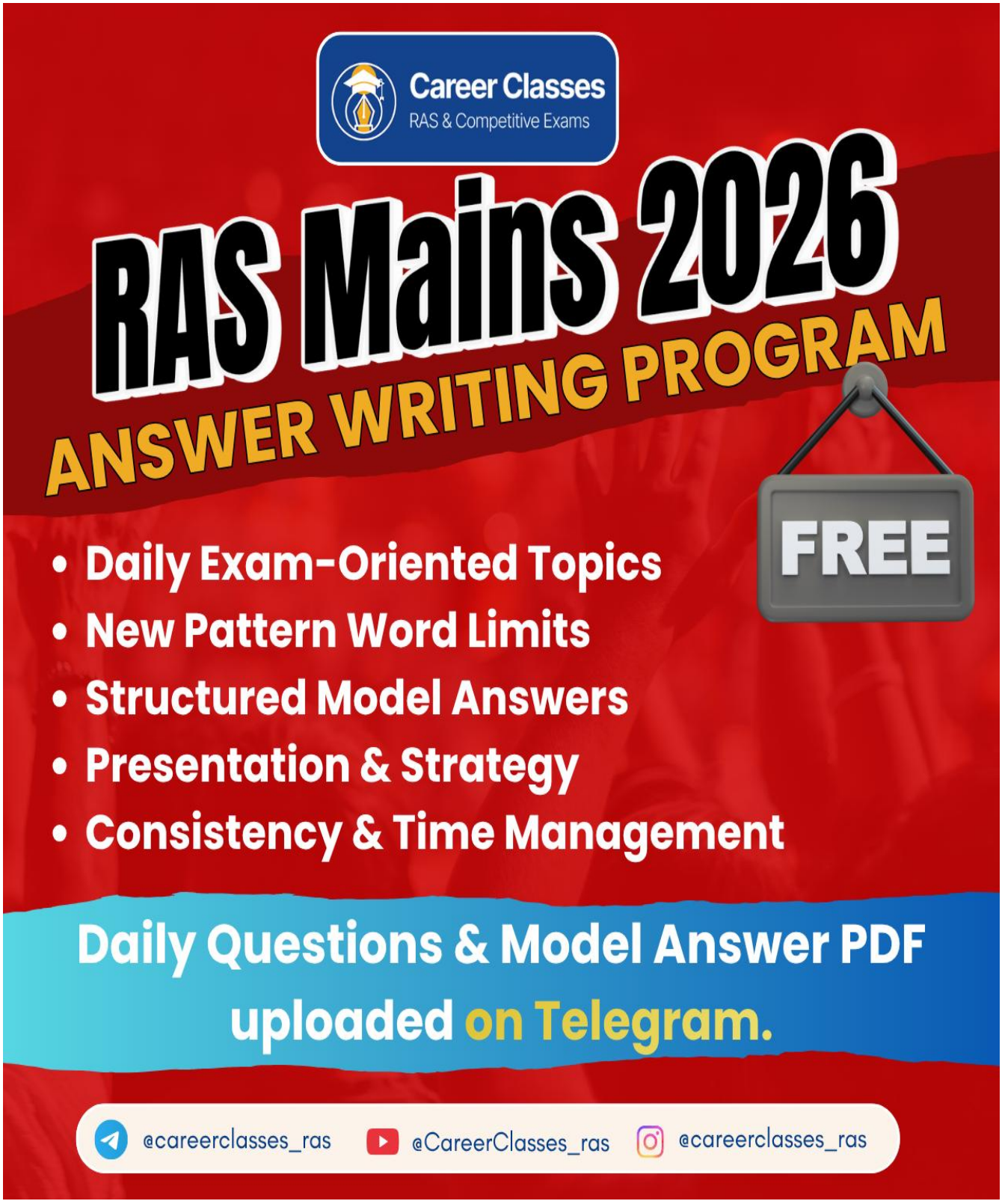
Career Classes
RAS & Competitive Exams
RAS Mains 2026
ANSWER WRITING PROGRAM
FREE
• Daily Exam-Oriented Topics
• New Pattern Word Limits
• Structured Model Answers
• Presentation & Strategy
• Consistency & Time Management
Daily Questions & Model Answer PDF
uploaded on Telegram.
@careerclasses_ras
@CareerClasses_ras
@careerclasses_ras

CCR RAS Mains 2026 - AWP

★ **विषय: (Gs Paper-3) अंतर्राष्ट्रीयसम्बन्ध**
★ **Topic : ईरान-इजरायल संघर्ष**

Join Telegram - @careerclasses_ras

प्रश्न: पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल संघर्ष के वर्तमान कारणों को स्पष्ट कीजिए।(5 अंक / 50 शब्द)

रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता: ईरान का 'प्रतिरोध का अक्ष' (Axis of Resistance) और इजरायल की सुरक्षा चिंताओं के बीच सीधा टकराव।

- तात्कालिक कारण: इजरायल द्वारा दमिश्क (सीरिया) में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला और जवाब में ईरान का इजरायल पर प्रत्यक्ष मिसाइल/ड्रोन हमला।
- प्रॉक्सि वार (Proxy War): हमास, हिजबुल्लाह और हूतियों के माध्यम से ईरान की सक्रियता।
- परमाणु कार्यक्रम: ईरान के परमाणु कार्यक्रम को इजरायल द्वारा अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानना।

प्रश्न: ईरान-इजरायल-अमेरिका त्रिकोण के मध्य बढ़ते तनाव का वैश्विक भू-राजनीति और भारत पर पड़ने वाले प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।(10 अंक / 150 शब्द)

भूमिका: पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच दशकों से चला आ रहा 'छाया युद्ध' (Shadow War) अब प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष में बदल गया है, जिसमें अमेरिका इजरायल के रणनीतिक कवच के रूप में खड़ा है।

प्रमुख रणनीतिक आयाम:

- अमेरिका की भूमिका: अमेरिका 'इजरायल की सुरक्षा' के प्रति प्रतिबद्ध है, लेकिन वह क्षेत्र में एक पूर्ण युद्ध (All-out War) से बचना चाहता है ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार और चुनावी समीकरण प्रभावित न हों।
- ईरान की आक्रामकता: ईरान अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बनाए रखने और इजरायल को घेरने के लिए लेबनान (हिजबुल्लाह) और यमन (हूती) के उग्रवादी समूहों का उपयोग कर रहा है।

- इजरायल का दृष्टिकोण: इजरायल इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई मानता है और ईरान के परमाणु ठिकानों व सैन्य नेतृत्व को निशाना बना रहा है।

वैश्विक एवं भारत पर प्रभाव:

- ऊर्जा सुरक्षा: यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) बाधित होता है, तो वैश्विक तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिससे भारत में मुद्रास्फीति बढ़ सकती है।
- व्यापार मार्ग: लाल सागर में तनाव से भारत का यूरोपीय निर्यात (Suez Canal मार्ग) महंगा और धीमा हो गया है।
- रणनीतिक संतुलन: भारत के ईरान (चाबहार पोर्ट) और इजरायल (रक्षा एवं तकनीक) दोनों के साथ गहरे संबंध हैं। यह युद्ध भारत की 'Neutrality' और कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा है।
- प्रवासी भारतीय: खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाले विदेशी प्रेषण (Remittance) पर संकट।

निष्कर्ष: यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक है। यदि कूटनीतिक समाधान नहीं निकाला गया, तो यह तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है। भारत को "दे-एस्केलेशन" (तनाव कम करने) के लिए वैश्विक मंच पर अपनी मध्यस्थता की भूमिका सक्रिय करनी होगी।

CAREER
CLASSES

CAREER CLASSES

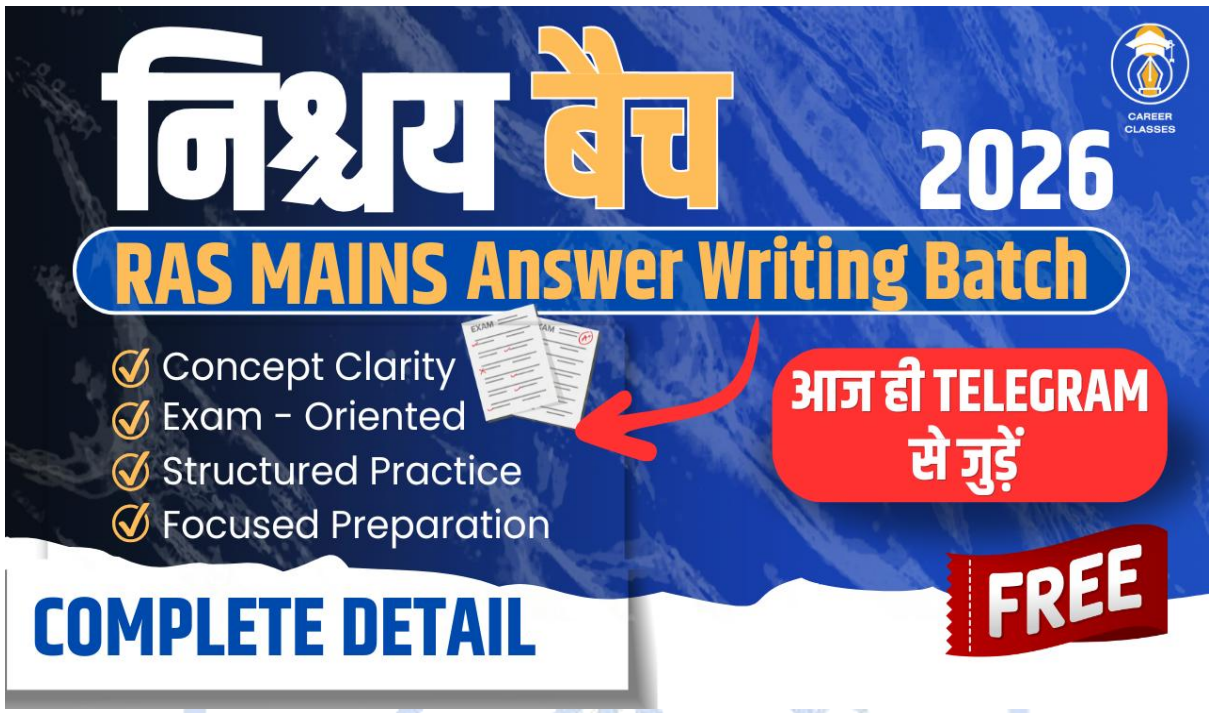

Join Telegram - @careerclasses_ras

CAREER
CLASSES